मूल्य 1 रु.

वर्षः 12 - अंक : 181, मुंबई, गुरुवार, 25 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

सट्टेबाज सोनू जालान के खिलाफ 50 लाख रुपये की रंगदारी का मामला दर्ज

मुंबई हलचल / संवाददाता

ठाणे। कुख्यात क्रिकेट सट्टेबाज सोनू जालान और उसके सहयोगियों- केतन तन्ना और जय तन्ना के खिलाफ एक टीएमसी ठेकेदार से 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में जबरन वसूली का मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों के मुताबिक 23 अगस्त की रात ठाणे नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। 2018 में तत्कालीन ठाणे आयुक्त परम बीर सिंह द्वारा क्रिकेट सट्टेबाजी मामले में 45 लाख रुपये में गिरफ्तार किए जाने के बाद जालान ने सुर्खियां बटोरी थीं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई नगर निकाय में वार्डों की संख्या बढ़ाने का फैसला पलटा

शिवसेना ने किया विरोध

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा ने बुधवार को मुंबई नगर निकाय में वार्डों की संख्या 227 से बढ़ाकर 236 करने के पिछली महा विकास अघाड़ी सरकार के फैसले को उलटते हुए एक विधेयक पारित किया। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने पिछली सरकार के फैसले को उलटने के लिए संशोधन का समर्थन किया जहां बृहन्मुंबई नगर निगम के वार्ड चुनाव होने वाले हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

बीजेपी हारती है तो आगे करती है तीन जमाई...ईडी, आईटी और सीबीआई

हमलावर हुए तेजस्वी

मुंबई हलचल / संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा में महागठबंधन सरकार विश्वासमत साबित कर रही है। इससे पहले सदन में विश्वास मत पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता अपना बयान दे रहे हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई महानगरपालिका के सभी घोटालों की होगी जांच

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा और विधानपरिषद में मानसून सत्र शुरू है। बुधवार को विधानसभा में मुंबई महानगरपालिका के कारभार को लेकर खूब चर्चा हुई। बीएमसी के कामों में घोटाले का आरोप बीजेपी की ओर से किया गया। इस पर उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुंबई महानगरपालिका का काम का सीएजी द्वारा स्पेशल ऑडिट करवाया जाएगा। शिंदे सरकार की ओर से की गई यह घोषणा शिवसेना के लिए टेंशन बढ़ाने वाली है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

सोनाली फोगाट को रेप करने के बाद मारा गया

भाई रिंकू का आरोप– पीए सुधीर ने नशीला पदार्थ खिलाकर रेप किया, वीडियो बनाकर करता था ब्लैकमेल

रिंकू ढाका, सोनाली का भाई | सुधीर सांगवान, सोनाली का PA

संवाददाता / फतेहाबाद। हरियाणा की बीजेपी लीडर सोनाली फोगाट की मौत से जुड़े मामले में अब उनका दुष्कर्म होने और ब्लैकमेल किए जाने के आरोप लगाए गए हैं। हरियाणा में फतेहाबाद जिले के भूथनकलां गांव में रहने वाले सोनाली के छोटे भाई रिंकू ढाका ने अपनी बहन के पीए सुधीर सांगवान और उसके दोस्त सुखविंदर पर सोनाली के खाने में नशीला पदार्थ देकर उससे दुष्कर्म करने और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के आरोप लगाए हैं। साथ ही सोनाली की संपत्ति हड़पने व राजनीतिक षड्यंत्र रचते हुए हत्या करने की बात भी कही गई है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

नकेल जरूरी

तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा के कथित विवादित वीडियो के वायरल होने, हैदराबाद पुलिस द्वारा उनकी गिरफ्तारी और फिर पार्टी द्वारा उन्हें निलंबित किए जाने के घटनाक्रम ने एक बार फिर नुपूर शर्मा प्रकरण और उसके बाद की दुखद घटनाओं की यादें ताजा कर दी हैं। उस विवादित बयान के कारण दुनिया के कई इस्लामी मुल्कों की प्रतिक्रिया सामने आई थी, और विदेश मंत्रालय ने अपनी सराहनीय सक्रियता से तब मामले को मुश्किल से ठंडा किया था। उस मामले में भी भाजपा ने पार्टी प्रवक्ता नुपूर शर्मा और एक अन्य नेता नवीन कुमार के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। नुपूर अब अपने तईं वैधानिक लड़ाई लड़ रही हैं। हालांकि, उनके पक्ष में बयान देने वालों व नुक्कड़ सभाएं करने वालों की आज भी कमी नहीं, मगर ये अभिव्यक्तियां कानून के दायरे में ही स्वीकार्य हैं और होंगी। इसलिए तेलंगाना पुलिस और भारतीय जनता पार्टी की त्वरित कार्रवाइयों की प्रशंसा की जानी चाहिए। भाजपा ने राजा को नोटिस थमाते हुए पूछा है कि क्यों न उन्हें पार्टी से निकाल दिया जाए? धार्मिक वैमनस्य पैदा करने की प्रवृत्ति अब खतरनाक हो चली है और इससे सख्ती से निपटना ही होगा। पिछले महीने ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने आगाह किया था कि कुछ लोग धर्म और विचारधारा के नाम पर समाज में कटुता और संघर्ष पैदा कर रहे हैं और इसका असर पूरे देश पर तो पड़ ही रहा है, बाहर भी हो रहा है। डोभाल की इस चिंता को समझा जाना चाहिए। हम जिस दुनिया में जी रहे हैं, उसमें अलग-थलग रहकर नहीं, बल्कि व्यापक समर्थन के सहारे ही आगे बढ़ा जा सकता है। अपनी ऊर्जा सुरक्षा से लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तक हमें इस्लामी देशों समेत पूरी विश्व बिरादरी के सहयोग की आवश्यकता है। फिर हमारे पास तो सर्वधर्म समभाव के विश्व दर्शन की विरासत है, जिसे दुनिया भर में न सिर्फ सराहा गया है, बल्कि मान्यता भी मिली है। विडंबना यह है कि हमारे ही मुट्ठी भर लोग इस विरासत को चुनौती पेश करने लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को अगले 25 वर्षों के लिए जो पांच प्रण दिए थे, उनमें पहला है- विकसित राष्ट्र बनना! क्या टी राजा जैसों का आचरण इसमें सहायक साबित होगा? नहीं! हम जैसी जन-सांख्यिकीय संरचना वाले मुल्क समावेशी नजरिये के बिना सफल नहीं हो सकते। इसलिए, धार्मिक विद्वेष और नफरत की राजनीति की धार कुंद करने की जरूरत है। न भारतीय संविधान इसकी इजाजत देता है और न विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षाएं इसकी अनुमति देंगी। खासकर भाजपा और सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दलों पर यह जिम्मेदारी ज्यादा आयद है कि वे सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी गतिविधि के खिलाफ मुखर होकर सामने आएं, तभी देश के तमाम राजनीतिक-सामाजिक संगठनों को यह संदेश मिलेगा कि अभिव्यक्ति की आजादी का अर्थ किसी की भी आस्था को ठेस पहुंचाना या कुछ भी बोलना नहीं है। तात्कालिक लाभ के लिए असामाजिक तत्वों की अनदेखी देश के दीर्घकालिक हितों को नुकसान पहुंचाती है। फिर जो लोग महत्वपूर्ण पदों पर बैठकर जहर उगलने की कोशिश करते हैं, उनका अपराध तो ज्यादा संगीन है। निस्संदेह, किसी किस्म के तुष्टिकरण की हिमायत नहीं की जा सकती, मगर कानून का राज यदि अपना इकबाल कायम कर ले, तो इसकी गुंजाइश ही कहां रह बचेगी?

कांग्रेस के लिए फैसले की घड़ी

सबसे बड़ी पार्टी होने के नेता कांग्रेस नेतृत्व करने को अगर स्वाभाविक हक मानती है तो यह नुकसानदेह हो सकता है। उसे इस पर आम सहमति बनानी होगी। दूसरी ओर किसी अन्य पार्टी के नेता के दावे को स्वीकार करके लड़ना भी कांग्रेस के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इसलिए उस स्थिति से भी बचना है।

पिछले तीन साल से कांग्रेस पार्टी जिस असहज स्थिति को टाल रही थी वह स्थिति आ गई है। अब कांग्रेस को तय करना है कि पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा? कांग्रेस को यह भी तय करना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उसकी क्या रणनीति होगी? उसे यह भी तय करना है कि वह लोकप्रिय विमर्श को लेकर आगे बढ़ेगी या अलोकप्रिय होने का जोखिम लेकर अपने सिद्धांतों पर चलेगी। कांग्रेस को कई और फैसले करने हैं लेकिन ये तीन चीजें सबसे मुख्य हैं। सबसे पहले अध्यक्ष, फिर सिद्धांत और तब चुनावी रणनीति। इन तीनों पर इस समय चर्चा का करने का मकसद यह है कि कांग्रेस ये तीनों फैसले करने के मुहाने पर खड़ी है। उसे अगले कुछ दिनों में ये तीनों फैसले करने हैं। कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष का फैसला तीन साल से टाल रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद राहुल गांधी ने 2019 में इस्तीफा दे दिया था। तब से सोनिया गांधी खराब सेहत के बावजूद अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर काम कर रही हैं।

अब कांग्रेस का पूर्णकालिक अध्यक्ष चुने जाने का समय आ गया है। कांग्रेस की पिछली कार्य समिति की बैठक में तय हुआ था कि 20 अगस्त से 21 सितंबर के बीच अध्यक्ष चुना जाएगा। सो, उम्मीद करनी चाहिए कि 21 सितंबर से पहले पार्टी को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। कांग्रेस को जो तीन फैसले करने हैं उनमें सबसे अहम यहीं है कि कौन होगा पार्टी का अध्यक्ष? राहुल गांधी की कमान में कांग्रेस ने 2018 में हुए राज्यों के चुनाव में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। कर्नाटक में पांच साल की एंटी इन्कंबैंसी के बावजूद कांग्रेस का प्रदर्शन अच्छा था और उसने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ तीनों राज्यों में जीत हासिल की थी। लेकिन 2019 के चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह हारी, जिसके बाद राहुल ने इस्तीफा दे दिया। कह सकते हैं कि चुनावी प्रदर्शन के लिहाज से राहुल की अध्यक्षता में कोई कमी नहीं है। वैसे भी डीफैक्टो अध्यक्ष के रूप में वे ही काम कर रहे हैं। सो, वे अध्यक्ष बन जाएं तो कांग्रेस में पिछले कई सालों से बनी अनिश्चितता खत्म हो जाएगी। परंतु इसके दूसरे खतरे हैं। भाजपा को यह कहने का मौका मिलेगा कि कांग्रेस में अध्यक्ष पद एक परिवार के लिए आरक्षित है। ध्यान रहे पिछले 24 साल से दो साल के राहुल के कार्यकाल को छोड़ दें तो सोनिया गांधी अध्यक्ष हैं। यानी 24 साल से दो लोग अध्यक्ष हैं, जबकि भाजपा में इन 24 सालों में नौ अध्यक्ष बने हैं। इससे यह संदेश जाता है कि भाजपा में कोई भी अध्यक्ष बन सकता है, जबकि कांग्रेस में ऐसा नहीं है। इस धारणा को तोड़ने के लिए नेहरू-गांधी परिवार की जगह किसी दूसरे नेता को अध्यक्ष बनाया जा सकता है। इसका पहला फायदा ये है कि कम से कम सैद्धांतिक रूप से यह कहने का मौका मिलेगा कि कांग्रेस एक परिवार की पार्टी नहीं है। दूसरे, राहुल गांधी के ऊपर से फोकस हटेगा। अभी सत्तारूढ़ भाजपा के हमले का एकमात्र निशाना राहुल हैं, जबकि किसी और को अध्यक्ष बनाने पर एक दूसरा चेहरा भी मिलेगा, जिस पर हमले होंगे। फोकस हटने के बाद राहुल संगठन और प्रचार के काम पर बेहतर ध्यान दे पाएंगे। एक फायदा यह भी हो सकता है कि मीडिया उनको प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनाना बंद करे। अगर नहीं बंद करे तो उनको आगे बढ़ कर यह ऐलान करना चाहिए कि वे किसी हाल में पीएम पद की रेस में नहीं हैं।

अगर नेहरू-गांधी परिवार से बाहर का कोई नेता अध्यक्ष बनता है तो क्या होगा? इंदिरा और राजीव गांधी का युग समाप्त होने के बाद परिवार से बाहर के दो लोग अध्यक्ष बने थे। पहले पीवी नरसिंह राव और फिर सीताराम केसरी। इन दोनों के साथ सोनिया गांधी का अनुभव अच्छा नहीं रहा है। दोनों ने सोनिया गांधी को हाशिए में डालने और पार्टी अपने नियंत्रण में लेने का प्रयास किया था। यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि अगर नरसिंह राव को एक कार्यकाल और मिल जाता तो कांग्रेस पार्टी स्थायी रूप से नेहरू-गांधी परिवार के हाथ से निकल जाती। यह संयोग हुआ कि कांग्रेस चुनाव हार गई और उसके बाद सीताराम केसरी अध्यक्ष बने। उनके नियंत्रण से भी सोनिया और उनके करीबियों ने कांग्रेस को कैसे निकाला यह लंबी कहानी है। तभी परिवार में बाहरी किसी नेता को लेकर हिचक है। हालांकि तब यह स्थिति थी कि सोनिया ने कभी राजनीति नहीं की थी और राहुल व प्रियंका दोनों बच्चे थे। अब स्थिति बदल गई है। अब सोनिया व राहुल दोनों अध्यक्ष रह चुके हैं और सोनिया अपनी क्षमता से कांग्रेस को दो बार केंद्र की सत्ता में बैठा चुकी हैं। इसलिए कोई बाहरी नेता अध्यक्ष बना तब भी वह पार्टी पर कब्जा करने की नहीं सोच सकता है। इसलिए जिस तरह भाजपा में पार्टी का चाहे जो भी अध्यक्ष हो वह शीर्ष नेताओं के हिसाब से काम करता है वैसी ही स्थिति सोनिया और राहुल कांग्रेस में बना सकते हैं।

दूसरा फैसला सिद्धांत बनाम लोकप्रिय विमर्श का है। कांग्रेस शुरू से सर्वधर्म समभाव की राजनित करती रही है और इंदिरा गांधी ने संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्द जुड़वाए थे। अभी लोकप्रिय विमर्श पूंजीवाद को बढ़ावा देने और एक धर्म की सत्ता स्थापित करने का है। कुछ समय तक राहुल गांधी ने यह राजनीति की है। उन्होंने भी चारों धामों की यात्रा की है और जनेऊ दिखा कर अपनी जाति व गोत्र भी बताया है। इतना करने के बाद भी लेफ्ट पार्टियों के बाद कांग्रेस इकलौती बड़ी पार्टी है, जिसने गुजरात में बिलकिस बानो के बलात्कारियों की रिहाई का विरोध किया। सो, कांग्रेस अब भी मतदाताओं के मूड और अपने पारंपरिक सिद्धांतों व मान्यताओं के बीच सामंजस्य बैठाने की कोशिश कर रही है। लोकतंत्र के लिए अच्छा होगा कि देश की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी चुनाव जीतने की हड़बड़ी में लोकप्रिय विमर्श को अपनाने का लोभ न पाले। उसे राष्ट्रवाद और सांप्रदायिकता के बरक्स जन सरोकार के मुद्दे उठा कर उन्हीं को राष्ट्रवाद के मुद्दों में तब्दील करना होगा।

अपनी भारत जोड़ो यात्रा से पहले राहुल गांधी ने जिस तरह सिविल सोसायटी के लोगों के साथ संवाद किया वह आश्वस्त करने वाला है कि कांग्रेस भटक नहीं रही है। यह जोखिम का काम था क्योंकि सिविल सोसायटी को सोशल मीडिया में टुकड़े टुकड़े गैंग के तौर पर स्थापित किया गया है। तीसरा फैसला अगले चुनाव की रणनीति को लेकर करना है। कांग्रेस के लोग कह सकते हैं कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद जैसी स्थितियां बनेंगी उसके हिसाब से यह फैसला होगा। लेकिन सवाल है कि क्या तब तक बाकी पार्टियां बैठ कर इंतजार करेंगी? अगर कांग्रेस को अपनी यात्रा के बाद ही फैसला करना है तब भी उसे देश की समान विचारधारा वाली सभी पार्टियों से संवाद करना होगा। उनकी राय लेनी होगी। अगर उन्हें कांग्रेस की कमान में अगला चुनाव लड़ने में आपत्ति है तो उस पर ईमानदारी से ध्यान देना होगा। सबसे बड़ी पार्टी होने के नेता कांग्रेस नेतृत्व करने को अगर स्वाभाविक हक मानती है तो यह नुकसानदेह हो सकता है। उसे इस पर आम सहमति बनानी होगी। दूसरी ओर किसी अन्य पार्टी के नेता के दावे को स्वीकार करके लड़ना भी कांग्रेस के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इसलिए उस स्थिति से भी बचना है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंब्रा के जीएचसी हॉस्पिटल में अफ्रीकी व्यक्ति अचु पैट्रिक एनडिफोर की किड़नी अंग प्रत्यारोपण सर्जरी सफल

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा वाई जंक्शन स्थित हॉस्पिटल जोकि जीएचसी गुड हेल्थ कंसेप्ट के नाम से हाल ही में शुरू किया गया है आपको बताते चलें यह हॉस्पिटल पहले कालसेकर हॉस्पिटल के नाम से जाना जाता था विवादों में रहने के बाद अपनी लचर अवस्थाओं को कारण या हॉस्पिटल को बंद कर दिया गया था उसके बाद में यह हॉस्पिटल डॉक्टर जैनुल आबिदीन हम्दुले द्वारा नए प्रबंधन के साथ कब्जे में लेकर बेहतर सुविधाओं के साथ में शुरू किया गया हालांकि इसकी शुरूआत अगस्त 2021 से की गई थी लेकिन मरीजों का उपचार करना के लिए जनवरी 2022 से प्रारंभ किया गया है बताया जा रहा है यह हॉस्पिटल में 140 बेड मरीजों के लिए उपलब्ध है 24 आईसीयू बेड सेंटर हैं 6 मॉडलर ऑपरेशन थिएटर है। गौरतलब बात यह है इस हॉस्पिटल में अंग प्रत्यारोपण की तमाम सुविधाएं उपलब्ध है इस हॉस्पिटल में हॉट लंग किडनी की परवानगी हासिल की जा चुकी है लेकिन लीवर प्रत्यारोपण की परवानगी का इंतजार है जैसे ही लीवर प्रत्यारोपण की परवानगी मिल जाएगी उसके बाद लीवर का

प्रत्यारोपण शुरू कर दिया जाएगा आपको बताते चलें गत 24 अगस्त बुधवार दोपहर दो बजे ली गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में जीएचसी प्रबंधन के डॉक्टर जैनुलआबेदीन हम्दूले के नेतृत्व में किया गया अफ्रीकी व्यक्ति अचु पैट्रिक एनडिफोर का किडनी सर्जरी की गई उनको किडनी प्रदान करने वाले उनके 20 वर्षीय सुपुत्र द्वारा दी गई उन्होंने बताया अचु पैट्रिक एनडिफोर कि दोनों किडनी खराब हो चुकी है और वह डायलिसिस की समस्या से भी गुजर रहे थे अफ्रीका में बेहतर हॉस्पिटल नहीं होने के कारण यह हम लोगों के संपर्क में आए और हम लोगों द्वारा इनका किडनी प्रत्यारोपण किया गया हालांकि यह सर्जरी हम लोगों के लिए चुनौती भरी था क्योंकि इसमें सुपुत्र का वजन 118 किलो था और वहां का खानपान और यहां का खानपान में भी काफी अंतर था और सर्जरी के दौरान आने वाली तमाम कठिनाई का भी हमको सामना करना पड़ा काफी टेस्टिस हम लोगों द्वारा किए गए क्योंकि इसमें मरीज को किडनी देने वाले को तो ज्यादा तकलीफ नहीं आती है लेकिन किडनी लेने वालों को काफी तौर पर ध्यान रखना पड़ता है और भविष्य में भी इनको खाने पीने पर और अपने मोटापे पर ध्यान देना पड़ेगा क्योंकि इससे किडनी पर जोर पड़ता है फिलहाल उन्होंने बताया डॉ निखिल शिंदे सीनियर यूरोलॉजिस्ट और ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ अशोक रावल और अन्य डॉक्टरों की टीम ने यह सर्जरी को सफलतापूर्वक किया है और पांच दिन तक चिकित्सा निगरानी में रखने के बाद उनको मुक्त कर दिया गया है अब दोनों पिता-पुत्र स्वस्थ हैं और अब अपने शहर अफ्रीका अपने घर जाने की तैयारी कर रहे हैं पत्रकारों से बात करते हुए अचु पैट्रिक एनडिफोर तमाम डॉक्टरों का आभार प्रकट किया और जमकर कर डॉक्टरों की और हॉस्पिटल प्रबंधन की तारीफ की डॉक्टर जैनुलआबेदीन हम्दुले ने बताया मुंब्रा शहर वासियों के लिए बड़े गर्व की बात है कि उनको ठाणे शहर की और डोंबिवली शहर की तुलना में एक बेहतर हॉस्पिटल मिला है जिसमें हार्ट लंग किडनी का अंग प्रत्यारोपण किया जा रहा है जिसमें हर तरह की सुविधाएं मरीजों के लिए प्रदान की गई है पूरे ठाणे में मुंबई में जो टेक्नोलॉजी और मशीनरी अंग प्रत्यारोपण के लिए है उससे तमाम बेहतर मशीनरी हमारे हॉस्पिटल में उपलब्ध है और मुंबई की तुलना में हमारे दाम 50 फीसदी कम है और हमारी यही कोशिश है क्या हमारे यहां पर मरीज रोता हुआ आए और हंसता और स्वस्थ होकर जाए यह हमारी साधारणसी कोशिश है।

मुंबई-गोवा हाइवे पर भारी वाहनों की आवाजाही बंद

27 से 31 अगस्त तक गणेशोत्सव की वजह से फैसला

मुंबई। मुंबई-गोवा हाइवे में 27 अगस्त से 31 अगस्त के बीच भारी वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। गणेश उत्सव को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया है। गणेशोत्सव के लिए बड़ी तादाद में लोग मुंबई, ठाणे, पुणे से कोंकण क्षेत्र में स्थित रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिले के अपने गांवों की ओर रवाना होते हैं।उन्हें अपने गांव जाने में परेशानियों का सामना ना करना पड़े इसीलिए भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस बीच यह भी बता दें कि गणेश भक्तों को गांव जाने की सुविधाएं देने के लिए हर साल पीएम नरेंद्र मोदी के नाम पर 'मोदी एक्सप्रेस' ट्रेन भी चलाई जाती है और ट्रेन में गणेश भक्तों को नाश्ता और खाना भी उपलब्ध

करवाया जाता है। सड़क मार्ग से जाने वाले गणेश भक्तों को भी गांव जाने में असुविधाएं पेश ना आएं और भारी वाहनों की वजह से ट्रैफिक जाम का सामना ना करना पड़े, इसलिए मुंबई-गोवा हाइवे पर भारी वाहनों की आवाजाही पर 27 से 31 अगस्त तक रोक लगाई गई है। इस बीच राज्य परिवहन निगम द्वारा गणेश चतुर्थी के अवसर पर कोंकणवासियों की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए पहले से ज्यादा बसें शुरू की गई हैं। इन गणेश भक्तों का सफर आसान हो इसलिए मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 1915 का इस्तेमाल करते हुए महाराष्ट्र शासन ने सार्वजनिक हित में भारी वाहनों की बंदी का यह फैसला किया है। इस फैसले के तहत पनवेल से इन्सुली सावंतवाड़ी की ओर जाने वाले नेशनल हाइवे पर पनवेल से सिंधुदुर्ग के बीच रेत से लदे ट्रक, ट्रेलर जैसे भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई गई है। जिन वाहनों की वजन क्षमता 16 टन या इससे ज्यादा है, ऐसे वाहनों की आवाजाही पर रोक है।

रोजमर्रे की जरूरत के सामान ढोने वाली गाड़ियां, बेरोकटोक लगाएंगी फेरियां: ऐसे वाहनों को इन पाबंदियों से अलग रखा गया है जो रोजमर्रे की जरूरतों के सामान लोड-अनलोड के लिए यहां से गुजरती हैं। दूध, पेट्रोल, डीजल, एलपीजी गैस सिलेंडर, लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन, अनाज, सब्जियां और जल्दी खराब हो जाने वाले सामान और अन्य जीवनावश्यक वस्तुओं पर यह पाबंदी लागू नहीं होगी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

सट्टेबाज सोनू जालान के खिलाफ 50 लाख रुपये की रंगदारी का मामला दर्ज

जालान ने पहले केतन तन्ना, मुनीर खान के साथ एक शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्हें परम बीर सिंह द्वारा झूठे मामले में फंसाया गया था। अपनी शिकायत में, उन्होंने उल्लेख किया कि पूर्व-एनकाउंटर पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा ने 2017 में 15 लाख रुपये की मांग की थी और धमकी दी थी कि यदि भुगतान नहीं किया गया तो यह उन्हें 169 मामलों में फंसा देगा। 2021 में, उन्होंने महाराष्ट्र पुलिस के तहत काम करने वाली इकाइयों द्वारा उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों में आपराधिक कानून के लिए विशिष्ट प्रक्रिया से राहत मांगी। सोनू जालान द्वारा दायर आवेदन में कहा गया है कि वह रिश्वतखोरी और जबरन वसूली का शिकार है, जबकि महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत उसके खिलाफ झूठे आरोप लगाए गए थे। इस बीच, सीबीआई ने महाराष्ट्र के डीजीपी (होमगार्ड्स) और मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह, उनके करीबी सहयोगी और बिल्डर संजय के खिलाफ दर्ज 15 करोड़ जबरन वसूली के मामले में मुकदमे को स्थगित रखने के लिए एस्प्लेनेड मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष एक आवेदन दिया है। पुनमिया, पुलिस निरीक्षक नंदकुमार गोपाल, आशा कोर्के और व्यवसायी सुनील जैन।

मुंबई नगर निकाय में वार्डों की संख्या बढ़ाने का फैसला पलटा

राकांपा और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने इसका विरोध करते हुए यथास्थिति बनाए रखने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का हवाला दिया। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया कि शीर्ष अदालत का निर्देश अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए कोटा से संबंधित एक अन्य मामले में था। उन्होंने कहा कि हमारा अध्यादेश वार्डों की संख्या 236 से 227 करने के लिए है। कोई कानूनी बाधा नहीं है। शिवसेना विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा कि बिल सरकार की तरह ही असंवैधानिक है। लेकिन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि लोकतंत्र में, संख्या महत्वपूर्ण है। हमारे पास बहुमत है। हमने असंवैधानिक रूप से काम नहीं किया है।

हमलावर हुए तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने विधानसभा में बीजेपी पर तंज किया और कहा कि जहां-जहां बीजेपी हारती है वहां वह अपने तीन जमाई (दमाद) सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स को आगे कर देती है, तेजस्वी ने कहा कि बिहार के साथ अन्याय हुआ जिसके बाद नीतीश कुमार ने एतिहासिक निर्णय लिया है। उन्होंने कहा बीजेपी लाख डराए हम डरने वाले नहीं हैं। नीतीश कुमार ने लोकतंत्र के हित में महागठबंधन के साथ आने का फैसला लिया, नीतीश कुमार जैसा हिम्मत कोई नहीं दिखाता, हिम्मत दिखाने के कारण ही आज मेरा पूरा परिवार परेशानी झेल रहा है। तेजस्वी यादव ने कहा हमलोग समाजवाद के अंश और वंश है। इसलिए बीजेपी चाहे जितना चाहे साजिश कर ले हम डरेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि देश को टूटने नहीं देंगे। समाजवाद को खत्म नहीं होने देंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि नीतीश कुमार सच्चे समाजवादी है।

सोनाली फोगाट को रेप करने के बाद मारा गया

इस बारे में रिंकू ने एक लिखित शिकायत गोवा पुलिस को देकर कार्रवाई करने की मांग की है। भूथनकलां सोनाली का पैतृक गांव है। सोनाली के माता-पिता, दोनों भाई और भाभियां इसी गांव में रहती हैं। इस बीच गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सांवत ने कहा है कि सोनाली फोगाट की मौत से जुड़े केस की गोवा पुलिस गहनता से जांच कर रही है। गोवा के डीजीपी खुद इस केस की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

मुंबई महानगरपालिका के सभी घोटालों की होगी जांच

विधानसभा में बुधवार को बीएमसी के कामकाज और भ्रष्टाचार का मुद्दा जोरशोर से उठाया गया। फडणवीस ने इसी मुद्दे पर बोलते हुए यह घोषणा की। विधानसभा में बीजेपी सदस्यों ने बीएमसी द्वारा करोड़ों का कोविड घोटाला, सड़क निर्माण को लेकर भ्रष्टाचार, आश्रय योजना के भ्रष्टाचार, वर्चुअल क्लासरुम के कॉन्ट्रैक्ट्स को लेकर हुए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए।

फर्जी दस्तावेजों से कोविड केंद्र के अनुबंध लेने के आरोप में चार डॉक्टर, एक फर्म पर मामला दर्ज

मुंबई। मुंबई पुलिस ने कोविड-19 देखभाल केंद्र का अनुबंध प्राप्त करने के लिए फर्जी दस्तावेज सौंपने के आरोप में बुधवार को एक अस्पताल प्रबंधन फर्म और चार व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की। एक अधिकारी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद किरीट सोमैया द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर आजाद मैदान पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। मेसर्स लाइफलाइन हॉस्पिटल मैनेजमेंट सर्विस फर्म, डॉ हेमंत रामशरण गुप्ता, सुजीत मुकुंद पाटकर, संजय मदनलाल शाह और राजू नंदकुमार सालुंखे के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। सोमैया ने शिकायत में आरोप लगाया है कि इन व्यक्तियों ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे कोविड-19 केंद्र के अनुबंध प्राप्त करने के लिए मुंबई नगर निकाय को धोखा दिया। प्राथमिकी के अनुसार, जून 2020 में अस्पताल प्रबंधन फर्म के साझेदारों ने बृहन्मुंबई महानगर पालिका को फर्जी दस्तावेज सौंपे और चिकित्सा क्षेत्र में बगैर किसी अनुभव के (मुंबई में) एनएसईएल, वर्ली, मुलुंड और दहिसर तथा पुणे में जम्बो कोविड देखभाल केंद्रों के अनुबंध प्राप्त किये।

प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट ने माताफेर पांडेय व प्रमोद पाण्डेय को सम्मानित किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। देश में प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट बहुत ही प्रगतिशील संगठन हैं वे सराहनीय कार्य कर रहा है जिसके अन्तर्गत हर समाजसेवी को सम्मान प्रदान करने का अथक प्रयास कर रहा हैं। इसी सन्दर्भ में शिक्षा जगत से जुड़े माताफेर पाण्डेय व प्रमोद पाण्डेय का स्वागत अवनीश पाण्डेय ने प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट का सम्मानित चिन्ह देकर किया है। माताफेर पाण्डेय और प्रमोद पाण्डेय का स्वागत करने के लिए मुम्बई के राष्ट्रीय कार्यालय से अवनीश पाण्डेय को भेजा गया। माताफेर पाण्डेय व प्रमोद पाण्डेय का बहुत ही सराहनीय कार्य अपने गांव व समाज के लिए हैं। और ये डेढ़वा पट्टी प्रतापगढ़ के निवासी हैं और इनका समाज में काफी अच्छा एवं सराहनीय कार्य है। आज के जमाने में

ऐसा सरस्वती का पुजारी होना बहुत ही मुश्किल ही नहीं नामुमकिन हैं। प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट को ऐसे बिरले इंसान का सम्मान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ हैं। प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र कुमार पाण्डेय ने तेज तर्रार पत्रकार व कलम के सिपाही तथा दबंग सम्पादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि उनके प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट की मानसिकता हैं कि हर उस सामाजिक व्यक्ति का सम्मान होना चाहिए जो अपने देश और समाज को विकास की शिखर तक ले जाने में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों से देश के सबसे बड़े संगठन प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट से जुड़ने का आह्वान किया हैं। उन्होंने कहा कि संगठन सदैव पत्रकारों के हितार्थ समर्पित कृतसंकल्पित हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रकाश जावड़ेकर 4 सितंबर को भीलवाड़ा में

मुंबई हलचल/भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछले 20 सालों के विभिन्न उपलब्धियों प्रेरणादायक कार्यों विभिन्न लाभकारी योजनाओं जन उपलब्धियों को मोदी @ 20 कार्यक्रम को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रकाश जावड़ेकर 4 सितंबर को भीलवाड़ा मे भाजपा जिला कार्यालय में जनप्रतिनिधि पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष लादू लाल तेली करेंगे, देश सेवा को समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री से लेकर 20 साल के कार्यकाल का प्रेरक चित्रण सबके सामने रखेंगे। भाजपा जिला प्रवक्ता कैलाश सोनी ने बताया कि मोदी 20 कार्यक्रम में सांसद विधायक जिला प्रमुख सभापति प्रधान चेयरमैन जिला पदाधिकारी भाजपा के वरिष्ठ नेता मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी सहित भाजपा के प्रमुख जनप्रतिनिधि पदाधिकारी वरिष्ठ कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। उक्त जानकारी पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

सीएम योगी उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रयागराज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने, फीता काटकर किया शुभारंभ

मुंबई हलचल/
विद्या शंकर शुक्ला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा बुधवार को लोक भवन लखनऊ से वर्चुअल लोकार्पण 731.84 लाख रुपए से चतुर्थ वाहिनी पीएससी सीवर लाइन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का प्रयागराज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश पांडे ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस मौके पर पीएसी कमांडेंट कई पुलिस अधिकारी समेत आदि शामिल रहे।

सीबीआई और ईडी की द्वेषपूर्ण छापेमारी के विरोध में राजद कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन, पीएम का फूका पुतला

संवाददाता/जकी अहमद

दलसिंहसराय। फ्लोर टेस्ट से पहले राजद नेताओं के घर हो रही सीबीआइ और ईडी की छापेमारी के विरोध में दलसिंहसराय के राजद कार्यकर्ताओं ने शहर में प्रदर्शन करते केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। राजद कार्यकर्ताओं ने प्रखंड अध्यक्ष मो० जाबिर हुसैन के नेतृत्व में शहर में भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए शहर के राष्ट्रीय उच्च पथ 28 पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया। इस दौरान राजद के मीडिया प्रभारी राजदीपक ने कहा कि बिहार की सत्ता से बेदखल हुई भाजपा के शीर्ष नेताओं ने महागठबंधन के नेताओं को डराने के लिए सीबीआइ और ईडी को राजनैतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की खतरनाक कोशिश की है, लेकिन सत्ता किसी की जागीर नहीं है जो हमेशा उसके साथ रहेगी। पुतला दहन कार्यक्रम में प्रदेश सचिव नंद किशोर महतो, चंदन प्रसाद, प्रखंड अध्यक्ष जाबीर हुसैन, मीडिया प्रभारी राज दीपक, महेंद्र राय, सुरेंद्र राय, हेमलता कुमारी, कामिनी देवी, अमरकांत कुशवाहा, रमेश सिंह, चंदन कुमार, मो. दाऊद, अर्जुन राउत, सीताराम महतो, अशोक सिंह, निरंजन चौरसिया, उमेश राम, सन्नी सम्राट, राम उदय राय, राम कुमार राय, नितिन राय, अनिल राय, हरिवंश राय, राम प्रीत साह, बैधनाथ सिंह, सूरज गुप्ता, फैयाज अहमद, संतोष साह, मो० हैदर, महेश राम, मो० मुख्तार, उपेंद्र सिंह, रामानंद पासवान, अशोक झा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

भीलवाड़ा में रिजुल व नव्या ने कैंसर रोगियों की मदद के लिए अपने बालों का दान किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा में कैंसर रोग से पीड़ित रोगियों के लिए भीलवाड़ा की दो बहनों ने अपने बालों का दान कर रोगियों के लिए राशि उपलब्ध कराई है सीबीएसई डिस्ट्रिक्ट टॉपर रही रिजुल चौधरी ने अपने बाल कैंसर रोगियों के लिए दान करके अपने सहृदय व्यक्तित्व का परिचय दिया। मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि दाढ़ीवाला के प्रोपराइटर राजेश सेन ने यह दान कैंसर रोगियों के पक्ष में स्वीकार किया। व्यवसायी सुरेंद्र जैन भाजपा जिला आईटी प्रभारी और रुचिका जैन की पुत्री रिजुल ने पूर्व में भी सामाजिक सरोकार के कार्यों में रुचि दिखायी है, वही छोटी बहन एनसीसी कैडेट नव्या चौधरी पूर्व में अपने बालों का दान उदयपुर में रोटरी क्लब पन्ना के तत्वावधान में प्रभात सैलून अशोक पालीवाल के यहा अपने बालों का कैंसर रोगियों के लिए दान कर चुकी हैं। उक्त जानकारी पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

जयपुर की डॉ. परिन सोमानी ने थाइलैंड में द मैनिफेस्टेशन ऑफ इनर ब्यूटी मिसेज वर्ल्ड 2022 अवार्ड जीता

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। एक बार फिर Enigma इवेंट मैनेजमेंट कंपनी ने 19 अगस्त 2022 को पटाया थाईलैंड में प्रतिष्ठित मिस एंड मिसेज यूनिवर्स पेजेंट का सफलतापूर्वक आयोजन करके एक और मील का पत्थर हासिल किया है। मिस/मिसेज वर्ल्ड के खिताब उन प्रतियोगियों को प्रदान किए गए, जिनका प्रतिनिधित्व दुनिया भर से किया गया था। मिस एंड मिसेज कैटेगरी में दुनिया भर से कुल 25 प्रतिभागी थे, जिनमें से जयपुर की डॉ. परिन सोमानी को मिसेज वर्ल्ड 2022 के विजेता का पुरस्कार दिया गया था। इस कार्यक्रम का आयोजन एनिग्मा इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के निदेशक दीपक चतुर्वेदी ने किया था, जिन्होंने इसके लिए अवसर दिया है। इस ग्रैंड इंटरनेशनल ब्यूटी पेजेंट में भाग लेने के लिए व्यक्ति। फैशन कोरियोग्राफर और ग्रूमर श्रीकुमार (पद्मावती प्रोडक्शन) को धन्यवाद दिया गया क्योंकि उन्होंने थाईलैंड में 2 दिनों के लिए प्रशिक्षण और सौंदर्य सत्र प्रदान किया। इसके अलावा, एथनिक विवर और फिनाले डिजाइनर गाउन को कुमकुम कियाना वार्डरोप्स द्वारा प्रायोजित किया गया था। मेकओवरः उषा गांधी, जया, अमाना वहाब और उनकी टीम। जूरी सदस्य रूपल मोहता (श्रीमती यूनिवर्स), प्रदीप पाली (बरकत प्रोडक्शन), मिस दिव्यानी कटारा (राजस्थान ब्रांड एंबेसडर), अंशुमान (दाइची द ट्राइटन होटल) और ट्रैवल पार्टनर श्री हरीश भाई (स्टैग ट्रैवल मेट) थे जिन्होंने समर्थन किया। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए। विश्व विजेता डॉ परिन सोमानी एक स्वतंत्र अकादमिक विद्वान, शिक्षक, अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता, TEDx अध्यक्ष, लेखक, लेखक, मानवतावादी, परोपकारी और बहु-अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता हैं। वह प्रमुख स्वास्थ्य चुनौतियों से बची हैं और स्थायी सामाजिक विकास की दिशा में अत्यधिक मानवीय कार्य करती हैं। डॉ परिन सोमानी शिक्षा के महत्व पर जोर देती हैं और आजीवन सीखने में विश्वास करती हैं जिससे उन्हें सात डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त हुई। उन्हें वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में पांच बार, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और कर्नाटक बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दो बार मान्यता मिली है। डॉ परिन सोमानी शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और युवा विकास के क्षेत्र में वैश्विक समाजों की मदद करती रही हैं। परिणामस्वरूप उन्हें विभिन्न भारतीय राज्यों के राज्यपालों द्वारा आमंत्रित किया गया है, और उन्होंने विश्व स्तर पर 107+ देशों की यात्रा की है, 19 पुस्तकें, कई शैक्षिक पत्र, समाचार पत्र और पत्रिका लेख प्रकाशित किए हैं। डॉ परिन सोमानी की आंतरिक सुंदरता ने उनके अस्तित्व को रोशन किया है और उनके प्रकाश ने विश्व स्तर पर व्यक्तियों की भावना को प्रज्वलित किया है। डॉ परिन सोमानी मिसेज वर्ल्ड 2022 की एक अभूतपूर्व योग्य विजेता हैं। उक्त जानकारी जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक मोहम्मद अजहरुद्दीन ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

क्रांतिकारी पं. राजगुरु का बलिदान देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं: अनिल आर्य

मुंबई हलचल /
भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'मेरा राष्ट्र-मेरा अभिमान' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी व अमर शहीद राजगुरु की 114 वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उल्लेखनीय है कि अमर शहीद भगत सिंह,राजगुरु व सुखदेव को 23 मार्च 1931 को लाहौर में इकठ्ठे फांसी दी गई थी। यह कोरोना काल में 433 वां बेविनार था। मुख्य वक्ता डॉ. कल्पना रस्तोगी ने कहा की किसी भी व्यक्ति की वास्तविक पहचान उसके अपने राष्ट्र से ही होती है, क्योंकि हमारा अस्तित्व इसी से जुड़ा है, यदि हमारा राष्ट्र सुरक्षित है, तो उसमे हम भी सुरक्षित हैं और हमारा राष्ट्र फले फूलेगा तो हमें भी फलने फूलने, आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। जिस प्रकार हमारी रगों में खून दौड़ता है, उसी प्रकार राष्ट्र भक्ति का विचार भी हमारी रगों में दौड़ना चाहिए। परन्तु प्रायः देखा जाता है कि जब भी कोई राष्ट्रीय पर्व आता है तो खून में राष्ट्र भक्ति का उबाल आ जाता है परन्तु धीरे धीरे यह शांत भी होने लगता है और हम पूर्व की भांति अपने अपने कार्यो में, व्यवसायों में व्यस्त हो जाते हैं, लेकिन मेरे विचार से इन राष्ट्रीय पर्वों का स्वरूप कुछ रचनात्मक होना चाहिए जैसे इन पर्वों को कुछ इस तरह मनाया जाए कि कुछ विचारशील लोग, अपने

मित्रो, सहकर्मियों आदि के साथ बैठें और राष्ट्र की समस्याओ पर ध्यान दें, उनसे मुक्त होने के लिए क्या किया जा सकता है, हम अपना क्या योगदान दे सकते हैं आदि विषयो पर विचार गोष्ठियां करें, लेख लिखें लोगो को जागरूक करें। जिनमे समाज के हर वर्ग की हिस्सेदारी हो,साथ बैठकर, कुछ समाधान ढूंढे जाए तो, मेरे विचार से इन पर्वों को मनाने की सार्थकता अधिक होगी क्योंकि राष्ट्र तो हम सबका है। परन्तु कुछ प्रतिशत लोग आज भी ऐसे अवश्य हैं जिनके मन में देश की परिस्थितियों को सकारात्मक रूप से बदलने के विचार निरंतर हिलोरें मारते रहते हैं। ये वे लोग है, जिनके माता पिता ने उनमें राष्ट्र प्रेम की लौ जगाई है। मैं बहुत ही गर्व से कहना चाहती हूँ कि जो सच्चे आर्य परिवार हैं, उनके रगों में आज भी देशभक्ति भरी पड़ी है क्योंकि हमारे समाज के प्रवर्तक ही महर्षि दयानन्द एक सच्चे राष्ट्रभक्त थे, जिन्होंने स्वराज्य पाने की अलख जगाई। आज भी सबसे अधिक राष्ट्र चिंतन यदि किसी समाज में होता है तो वह आर्यसमाजों में ही होता है। भारत देश की अमूल्य धरोहरें वेद, पुराण, महाभारत, रामायण, गीता जैसे शाश्वत ग्रंथों पर,ऋषि संस्कृति पर,भारत की अभूतपूर्व और गौरवमयी गरिमा पर बात यहीं होती है। राष्ट्र की बात हो तो हमारे महापुरुष मर्यादापुरुषोत्तम राम का नाम लिए बिना नहीं रहा जा सकता जिन्होंने कहा -अपि स्वर्णमयी लंका न में रोचते लक्ष्मण। जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी। अर्थात हे लक्ष्मण ये लंका भले ही स्वर्ण निर्मित है, परन्तु इस सोने की लंका में भी मेरी कोई रुचि नहीं है। मेरे लिए तो मेरी मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। ये थे राष्ट्रीय चेतना के स्वर और श्री कृष्ण ने जीवन भर राष्ट्र धर्म निभाया, राष्ट्र को एकता के सूत्र में बाँधने का कार्य किया। आज 'राष्ट्र प्रथम' की अपेक्षा 'स्वार्थ प्रथम' की भावना पनप रही है जिस पर रोक लगनी चाहिए। अपने राष्ट्र को आगे बढ़ने के लिए हमें विदेशी वस्तुओ का मोह और प्रयोग छोड़ना ही होगा। हमें भ्रमण के लिए अन्य स्थानों के साथ साथ ऐसे ऐतिहासिक स्थलों पर अवश्य जाना चाहिए जहाँ से हमारा गौरवपूर्ण इतिहास जुड़ा हो। एक-दूसरे से जितना भी सम्भव हो अपनी मातृभाषा अथवा राष्ट्रभाषा में ही संभाषण करें। यदि हम ही अपनी भाषा अपनी संस्कृति का सम्मान नहीं करेंगे तो दूसरे से क्या अपेक्षा कर सकते हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि यह राष्ट्र की स्वतंत्रता शहीदों के बलिदान से ही मिली है प.राजगुरू जी का आज 114 वां जन्मदिन है हमारे लिए उनके बलिदान को याद कर प्रेरणा लेने का दिन है विशेष कर युवाओं को उनसे प्रेरणा लेकर राष्ट्र रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। मुख्य अतिथि गायत्री मीना (मंत्री आर्य समाज नोएडा) व सुरेश हसीजा ने भी अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि राष्ट्र रहेगा तो हम सब रहेंगे। इस अवसर पर देश भक्ति के गीत भी प्रस्तुत किए गए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

शाहपुरा में गाय और बछड़े की पूजा कर पुत्र की लंबी उम्र और कामना के साथ महिलाओं ने पूजा की

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा शहर और ग्रामीण क्षेत्र में भाद्रपद महीने की द्वादशी तिथि पर अपने पुत्र की लंबी उम्र की कामना एवं पुत्र प्राप्ति के लिए महिलाओं द्वारा विधि विधान से गाय बछड़े की पूजा की गई जानकारी के अनुसार हिंदू धर्म में धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार पौराणिक कथाओं के आधार पर हिंदू धर्म की महिलाएं पुत्र की प्राप्ति एवं उसकी लंबी आयु के लिए गाय और बछड़े की पूजा की और गाय को वस्त्र डालकर आशीर्वाद लिया भाद्रपद की बारह तिथि को मनाया जाने वाला पर्व पर महिलाएं शृंगारिक और संगठित होकर चाकू से कटी हुई वस्तुओं का एवं गेहूं गाय के दूध से बनी हुई आहार का त्याग करती है और विधिवत गाय और बछड़े की पूजा करती है उसे आहर खिलाती है एवं संकल्प लेते हुए पौराणिक कथाओं का सामूहिक रुप से वाचन करती है और महिलाएं कथा कहानियां कहती और सुनती है और पुत्र की कामना के साथ लंबी आयु का आशीर्वाद छड़ बारस के पावन पर्व पर लेती है। उक्त जानकारी पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

मुस्लिम महासंघ प्रदेश अध्यक्ष हनीफ खान एव प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद दानिश को तीसरी बार पुनः मिली प्रदेश की जिम्मेदारी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

उदयपुर। मुस्लिम महासंघ राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मोहम्मद वक्श एव राष्ट्रीय महासचिव के आर सिद्दीकी के निर्देशानुसार सभी की सर्वसहमति से राजस्थान प्रदेश टीम की 2019 से 2021 के तीन वर्षों में सफलता कार्यप्रणाली को देखते हुए। एक बार पुनः प्रदेश अध्यक्ष हनीफ खान एव प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद दानिश अली को राजस्थान प्रदेश की जिम्मेदारी दी गई। और आगामी दिनों में जल्द ही प्रदेश कार्यकारिणी का पुनः गठन होगा। इस मौके पर सभी पदाधिकारियों एव कार्यकर्ताओं ने मुबारकबाद पेश की। एव प्रदेश अध्यक्ष हनीफ खान व प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद दानिश अली ने सभी का शुक्रिया अदा किया।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इंस्पेक्टर रविशंकर त्रिपाठी की सक्रियता से कानपुर से आगरा भागे चार बच्चे सकुशल बरामद, कानपुर से ताजमहल देखने आगरा भागे थे बच्चे

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। ताजमहल देखने की इच्छा से महानगर से भागे चार बच्चों को पुलिस की सक्रियता ने 24 घंटे के अंदर बरामद कर लिया। यह घटना गुजैनी थाना क्षेत्र की है। यहां से चार बच्चों के एक साथ गायब होने की सूचना से पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया था, जिसकी रिपोर्ट दर्ज किए जाने के बाद पुलिस ने सघन तलाश शुरू की। पुलिस पुलिस की मेहनत रंग लाई भागे हुए चारों बच्चों को घटना के 24 घंटे के अंदर ही 12:00 बजे तक बरामद करने में सफलता प्राप्त कर ली गई। अवगत कराते चलें कि घर से एक साथ गायब हुए चार बच्चों को 24 घंटे के भीतर बरामद करने में सफलता प्राप्त करने वाली गुजैनी पुलिस की कमान हर तरह के अपराधियों के खिलाफ

लगातार सफल मोर्चा खोले साधारण सूचनाओं पर भी खुद मौके पर पहुंचकर तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने और वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश निर्देश का अक्षरशः अनुपालन के लिए भी चर्चित लोकहित में अपनी धुन के पक्के निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के स्वाभिमानी स्वभाव वाले उन तेज तर्रार, व्यवहार कुशल और कठोर परिश्रमी जुझारू इंस्पेक्टर रवि शंकर त्रिपाठी के हाथ में है, जिनका पुलिस विभाग में अबतक का इतिहास यह साबित करता है कि उनकी कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा केवल हत्या जैसी संगीन वारदातों को ही नहीं बल्कि हर छोटी से छोटी घटना को भी बहुत गम्भीरता से लेकर पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाही और पीड़ितों की सहायता में भी अग्रणी रही है।

प्रशासन की हठधर्मिता के कारण लोगों के करोड़ों रुपए का हुआ नुकसान

पूर्व राज्य मंत्री ने सीएम को पत्र लिखकर जांच कमेटी गठित कर न्याय दिलाने की मांग

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बाड़मेर। राजस्थान के पूर्व राज्य मंत्री अशरफ अली ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बीते दिनों सरहदी गागरिया गांव में प्रशासन की कार्रवाई के खिलाफ जांच कमेटी गठित कर जांच करने और पीड़ित परिवारों को न्याय देने की मांग की है। अली ने पत्र के माध्यम मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लिखा है कि गागरिया गांव में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान गरीब लोग हाथ जोडकर विनती करते रहे कि दुकानों के अंदर का सामान निकालने के लिए 2 घंटे का समय दे। आवाम हाथ फैला कर समय के लिए विनती करती रही लेकिन प्रशासन ने उनकी एक नहीं सुनी। बड़े पुलिस लाजमे और दर्जन भर जेसीबी मशीनों के जरिए गरीब लोगो के दुकानों और घरों पर बुलडोजर चलाकर उन्हे जमींदोज कर दिया गया। अली ने पत्र में बताया भारत माला के तहत रोड का निर्माण कार्य के लिए गागरिया स्टेशन पर लोगों की बेशकीमती जमीन थी। जिसका दलालों से सांठगांठ कर कीमत का सही आंकलन नहीं किया गया। निवासियों ने इसका विरोध किया अचानक पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचकर करोड़ों रुपए के भवन उसके अंदर कीमती सामान को नुकसान कर दिया गया। वहा की लाचार आवाम चीखती चिल्लाती रही रही लेकिन उनकी कोई सुनने वाला नहीं था। उनकी जिंदगी भर की कमाई, उनके आंखों के आगे उनके आशियाने जमीदोज कर दिए गए। अली ने बताया कि अगर प्रशासन को अतिक्रमण हटाना था तो 1 दिन पहले अल्टीमेटम देते। लोग अपना अंदर से सामान हटा पाते लेकिन प्रशासन ने अपनी हठधर्मिता से किसी की नहीं मानी। चंद दलालों से मिलकर गरीब लोगों के आशियाने उजाड़ दिये। पूर्व राज्यमंत्री अशरफ अली ने मांग की है की सरकार इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कमेटी से जांच कराएं नहीं तो गरीब किसान वर्ग सड़कों पर सरकार के खिलाफ उतरेगा।

बंगला नगर में सीवर लाइन डलवाने की मांग, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र कल्ला से मिले वार्डवासी

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। बीकानेर के बंगला नगर वार्ड नंबर 21 के नागरिक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र जी कल्ला से मुलाकात करने के लिए उनके निवास पर पहुंचे जिसमें बंगला नगर वार्ड नंबर 21 में लगभग 5 साल से अधूरी पड़ी सीवर लाइन डलवाने की मांग की गई जिसमें बंगला नगर गजनेर रोड गली नंबर एक गली नंबर 2 गली नंबर 3 तथा इनकी उप गलियां क्षेत्र तय्यब मस्जिद मुस्तफा मस्जिद नायक बस्ती बाल्मीकि बस्ती रामदेव मंदिर के पास इन सभी गलियों में पाइप लाइन बिछाने की मांग की गई जिसकी एस्टीमेट बने हुए लगभग 3 माह बीत जाने के बाद भी अभी तक टेंडर प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है तथा पिछले 5 साल से नाली मरम्मत काम नहीं हुआ है जिससे जगह-जगह से नालियां टूटी हुई है नाली मरमत वह क्रॉस बनाने की भी मांग रखी गई इस संबंध में आदरणीय महेंद्र जी के द्वारा नगर निगम आयुक्त प्रशासन बीकानेर को अवगत कराया जल्दी टेंडर लगाने की बात की गई तथा नागौरी तेली समाज का सामुदायिक भवन जिसका लगभग विधायक कोटे का काम साल भर से बंद पड़ा है जिसकी एजेंसी पीडब्ल्यूडी बीकानेर है उसको शुरू कराने की भी मांग की गई तथा गली नंबर 1 में पीएचई विभाग की खाली पड़ी जमीन मैं लगभग 6 माह पहले पीएचईडी विभाग के द्वारा तेरा लाख रुपए का चारदीवारी करने के लिए टेंडर किया गया था जिसका काम अभी तक चालू नहीं हुआ है इस संबंध में भी बात की गई तथा वार्ड नंबर 21 में विधायक कोटे से अलग-अलग सामुदायिक भवनों में आदरणीय मंत्री महोदय जी डॉक्टर बी डी कल्ला साहब के द्वारा विधायक कोटे से राशि स्वीकृत की गई थी जिसमें नगर निगम बीकानेर नगर विकास न्यास बीकानेर तथा पीडब्ल्यूडी विभाग बीकानेर को एजेंसी बनाया गया है नगर विकास न्यास के द्वारा भूमि रिपोर्ट जिला परिषद लगभग 1 माह बीत जाने के बाद भी अभी तक टेंडर प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है इस संबंध में भी आदरणीय वार्ड वासियों द्वारा काम शुरू करवाने की मांग रखी गई तथा 2004 में नगर विकास न्यास बीकानेर के द्वारा सर्वे सूची बनाई गई थी जिसके अनुसार पट्टे बनाने की भी मांग रखी गई पता जिन साथियों के सूची में नाम नहीं है उनके बिजली-पानी के कनेक्शन सदा राशन कार्ड के आधार पर पट्टे बनाने की भी मांग रखी गई प्रतिनिधिमंडल में बंगला नगर के पूर्व पार्षद हसन अली गोरि सोनिया गांधी ब्रिगेड के ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद इस्लाम खिलजी ओबीसी विभाग के महासचिव रिजवान खान खन्ना मदरसा कमेटी के अध्यक्ष खेर दिन राठौड़ मकबूल खान सैयद मोहम्मद इशाक एडवोकेट बिलाल अहमद खिलजी मोहम्मद सलीम गोरी, मोहम्मद इस्लाम खिलजी ब्लॉक अध्यक्ष सोनिया गांधी ब्रिगेड आदि। लगभग बंगला नगर वार्ड के महेंद्र जी की टीम के 100 कार्यकर्ता मिले महेंद्र जी ने आश्वासन दिया जल्दी सीवर लाइन बिछाने का काम शुरू करवाने की प्रक्रिया शुरू करा दी जाएगी तथा विधायक कोटे के काम जितने भी पेंडिंग है जल्दी शुरू करा दिए जाएंगे सामुदायिक भवन का काम जो बंद पड़ा है वह जल्दी संबंधित अधिकारियों से बात करके चालू कराया जाएगा 2004 नगर विकास न्यास बीकानेर की सूची बनाई गई थी जिसके अनुसार सभी की फाइलें तैयार करके तथा जो फाइलें नगर विकास न्यास में जमा है उनको पट्टे बनाने की भी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। आदरणीय मंत्री महोदय जी डॉक्टर बी डी कल्ला साहब 25-26 अगस्त को बीकानेर पधारेंगे तब सभी अधिकारियों को निर्देश देकर बंगला नगर वार्ड नंबर 21 के सभी विकास कार्य शुरू कराए जाएंगे।

राहुल भैया के जन्मदिन पर कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा स्वास्थ्य शिविर

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

भोपाल। प्रदेश मंत्री वरिष्ठ समाजसेवी माननीय राहुल कोठारी जी के जन्म, दिन के शुभ अवसर पर कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव स्वस्थ भारत अभियान मलेरिया जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 10:30 से 5:00 तक वार्ड नंबर 50 कुशाभाऊ ठाकरे दाना पानी रोड भोपाल में आयोजन किया गया शासकीय मलेरिया के द्वारा मलेरिया की जांच की गई आई चेक अप प्रकाश नेत्रालय की टीम के द्वारा चेकअप किया गया दंत चेकअप डेंनेशिया डेंटल हॉस्पिटल की टीम के द्वारा दंत चेकअप किया गया जनरल चेकअप 1250 हॉस्पिटल की टीम के द्वारा किया गया सभी लोगों दवाई चश्मे आई ड्रॉप निशुल्क वितरित किय गए सभी वार्ड वासियों ने राहुल भैया को एवं डॉक्टरों की टीम वरिष्ठ समाजसेवी शेख फैयाज को दुआओं एवं आशीर्वाद देकर खूब प्रशंसा की संस्था द्वारा निरंतर स्वास्थ्य पर कार्य कर रही है स्वस्थ भारत के निर्माण में सहयोग करें अपना चेकअप जरूर कराएं।

उज्जैन के ज्योतिष व वैदिक कर्मकाण्ड विशेषज्ञ आचार्य पंडित अर्जुन शर्मा यज्ञ रत्न अवॉर्ड से सम्मानित

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। उज्जैन के ज्योतिष व वैदिक कर्मकाण्ड विशेषज्ञ आचार्य पंडित अर्जुन शर्मा यज्ञ रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किए गए। उन्होंने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ से बात करते हुए बताया कि परम पिता परमेश्वर माँ भगवती व पुज्य गुरुदेव के आशीर्वाद से 'दिल्ली पार्लयामेंट' के 'गवर्नमेंट क्लब' में माननीय राज्य रक्षा मंत्री (भारत सरकार) और विनय रोहिल्ला (कैबिनेट मंत्री) एवं सभी मंत्री गण व सभी वरिष्ट आचार्य की उपस्थिति में उन्हें गोल्ड मेडल, लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड व याज्ञीक रत्न, (यज्ञ रत्न) की पदवी से सम्मानित किया गया है। साथ ही साथ उनके चित्र (फोटो) वाली पोस्ट टिकिट भी जारी की गई। इसके लिए में उन्होंने सभी का आभार जताया हैं। उन्होंने कहा कि सबका प्यार व साथ हमेशा यूं ही मिलता रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जानिए सर्दियों के लिए Tips to get glowing and red cheeks

सर्दियों में अक्सर चेहरे की त्वचा फट जाती है, गालों की रंगत खराब हो जाती है। ऐसा ठंडक, रुखेपन, तेज हवा और मौसम में बदलाव की वजह से होता है। लेकिन अगर आप चाहें तो घरेलू उबटनों का प्रयोग करके आप अपने चेहरे को स्वस्थ, सुंदर और चमकदार बनाए रख सकती हैं। उबटन के इस्तेमाल से त्वचा में नमी व चमक बनी रहती है। उबटन मृत कोशिकाओं को हटा कर त्वचा को नई ताजगी प्रदान करता है। आज हम आपको बता रहे हैं कि किन घरेलू चीजों से उबटन बनाकर आप चेहरे की रंगत निखार सकती हैं।

उड़द की दाल और गुलाबजल - एक चम्मच उड़द दाल को कच्चे दूध में भिगो दें। पीसकर पेस्ट बनाएं। फिर इसमें थोड़ा-सा गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर लगाएं। थोड़ी देर सूखने दें। फिर रगड़ते हुए उतार दें और चेहरे को धो लें। आपकी त्वचा चमक उठेगी।

बेसन, सरसों का तेल और दूध - 2 चम्मच बेसन, 1 चम्मच सरसों का तेल व थोड़ा सा दूध मिला कर पेस्ट बना लें। पूरे शरीर पर इस उबटन को लगाएं। कुछ देर बाद हाथ से रगड़ कर छुड़ाएं और नहा लें। त्वचा मुलायम हो जाएगी।

मसूर की दाल और अंडे की सफेदी - मसूर की दाल को पीस कर पाउडर बना लें, फिर 2 चम्मच दाल के पाउडर में 1 अंडे की सफेदी मिलाकर पेस्ट बना लें। इसमें 2 बूंद नींबू का रस और 1 बड़ा चम्मच कच्चा दूध मिलाकर रोज चेहरे पर लगाएं। सूखने पर छुड़ा लें और चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

खरबूजा और सीताफल - खरबूजा और सीताफल के बीजों को बराबर मात्रा में लेकर पीस लें। फिर दूध मिला कर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। फिर छुड़ा कर नहा लें, कुछ दिनों के प्रयोग से त्वचा की रंगत निखरने लगेगी।

पका केला और शहद - पके केले को मसल कर पेस्ट बना लें। इसमें थोड़ा सा शहद व कुछ बूंदें नींबू का रस मिला कर चेहरे पर मलें। 5-6 मिनट बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। इससे चेहरे में निखार तो आता है, झुर्रियां भी नहीं रहतीं।

इसके अलावा पानी भी लगातार पीते रहें क्योंकि पानी की कमी से त्वचा सूखी और बेजान हो जाती है और चेहरे की रंगत खो जाती है।

बालों को निखारे, मजबूत और स्वस्थ बनाए विटमिन ई

बाल हमारी पर्सनैलिटी का अहम हिस्सा होते हैं। इनकी देखभाल भी उतनी ही जरूरी है जितनी बाकी शरीर की लेकिन अक्सर हम इनकी उपेक्षा कर जाते हैं और नतीजे में रुखे बाल, असमय सफेद होते बाल और बालों के गिरने की समस्या का शिकार हो जाते हैं। बालों की अधिकतर परेशानियों का इलाज है विटमिन ई। आज जानते हैं कि विटमिन ई क्यों और किन तरीकों से हमारे बालों के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

विटमिन ई 8 ऐसे विटामिनों का समूह है जो वसा में घुलनशील हैं और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर हैं। ये हमारी प्रतिरोधक क्षमता, श्वसन तंत्र, आंखों और दिल की सेहत के लिए लाभदायक होते हैं। इसके अलावा ये हमारी त्वचा और बालों की अच्छी सेहत के लिए भी फायदेमंद हैं। फिलहाल जानिए ये हमारे बालों को कैसे स्वस्थ रखते हैं।

घने, मजबूत और स्वस्थ बाल

नियमित रूप से विटमिन ई कैपसूल लेने से बाल पतले होने की समस्या पर रोक लगती है। विटमिन ई में अल्फा-टोकोफेरॉल नाम का केमिकल होता है जो हमारे सिर की त्वचा में खून के दौरे को बेहतर बनाता है, बालों को पोषण देता है।

डैंड्रफ में कमी

विटमिन ई डैंड्रफ को रोकने और उसे खत्म करने में कारगर है। डैंड्रफ सिर की सूखी त्वचा का नतीजा है। जब सिर की त्वचा सूखती है तो यहां मौजूद सिबेसियस ग्लैंड अधिक तैलीय पदार्थ निकालने लगती हैं। इससे हमारे बालों की जड़ें बद हो जाती हैं और त्वचा सूखने लगती है, डैंड्रफ बनने लगता है। विटमिन ई कैपसूल खाने या और सिर में विटमिन ई तेल लगाने से सिर की त्वचा नम रहने लगती है और डैंड्रफ पर रोक लगती है।

दो मुंहे बालों पर रोक

हेयर फॉलिकल को हुए नुकसान की वजह से दो मुंहे बाल होते हैं। विटमिन ई में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट हेयर फॉलिकल्स को हुए नुकसान रोकता है।

जैसा मौसम हो वैसा ही भोजन होना चाहिए

साल बदलता है तो कैलेंडर भी बदल जाता है। इस बार हम आपके लिए लाए हैं बिलकुल जुदा कैलेंडर। यह है हेल्थ कैलेंडर, जो आपको गाइड करेगा कि मौसम के लिहाज से हमें किस महीने में क्या करना चाहिए और क्या नहीं। एक्सपर्ट्स की मदद से प्रियंका सिंह ने तैयार किया है यह हेल्थ कैलेंडर :

देसी कैलेंडर के अनुसार मौसम

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में सेहत का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। आयुर्वेद बताता है कि आदर्श दिनचर्या क्या हो ताकि हम स्वस्थ रहें। मौसम के अनुसार खानपान और दिनचर्या को आयुर्वेद में ऋतुचर्या कहा जाता है। ऋतु मतलब मौसम और चर्या मतलब आहार-विहार। इसमें अलग-अलग ऋतु में शरीर के तीनों दोषों वात (वायु), पित (अग्नि) और कफ (जल) को संतुलित किया जाता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बॉयफ्रेंड केएल राहुल संग शिफ्ट हुईं अथिया शेट्टी

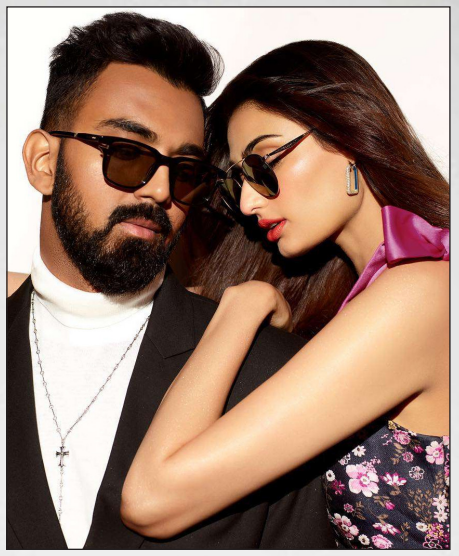

बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा आथिया शेट्टी आए दिन चर्चा में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस कभी अपने प्रोफेशनल लाइफ को लेकर तो कभी अपने पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। वही यह बात किसी से छिपी नहीं है कि भारतीय क्रिकेट टीम के होनहार प्लेयर के एल राहुल और अथिया एक-दूसरे को पिछले काफी समय से डेट कर रहे हैं। वही फैंस जहां एक तरफ दोनों के शादी के तारीखों का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच दोनों के लिव-इन रिलेशनशिप की खबरें सामने आ रही हैं। जिससे सुनने के बाद हर किसी के होश उड़ गए हैं। दरअसल दोनों से जुड़ी अब एक नई खबर सामने आ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कहा जा रहा है कि दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे हैं। इस कपल ने मुंबई के बांद्रा के कार्टर रोड पर एक घर लिया है और अब यह दोनों अपने नए घर में बिना शादी किये ही एक साथ रहने लगे हैं। वही इस समय केएल राहुल जिम्बाब्वे के साथ क्रिकेट मैच में व्यस्त हैं। वहीं खबरें हैं कि अथिया को इस नए घर में शिफ्ट हुए एक हफ्ता हो चुका है और वह फिल्हाल केएल राहुल के आने से पहले घर को सजा रही हैं। वही आपको ये जानकर हैरानी होगी कि अथिया के पिता एक्टर सुनील शेट्टी और माना शेट्टी ने जुलाई में इस घर की गृह प्रवेश पूजा भी की थी। वही आथिया और केएल राहुल का प्यार अब किसी से छुपा नहीं हैं। कई सेलिब्रिटीज अपने रिश्तों को पब्लिक में लेन से डरते हैं। लेकिन आथिया और राहुल ने अपने प्यार को जग जाहिर कर दिया हैं।

'मेरे काम को क्रेडिट नहीं मिला'

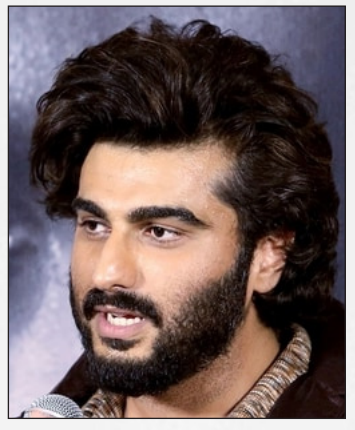

अर्जुन कपूर ने कहा है कि उन्हें मेनस्ट्रीम सिनेमा में उनके काम को उतना क्रेडिट नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि वह हमेशा से ऑल राउंडर एक्टर बनना चाहते थे। उन्होंने कहा, मेरी चाहत होती है कि मैं हर तरह के सिनेमा में कोशिश करता रहूं और बैलेंस बनाने की कोशिश की है, लेकिन लोगों ने मुझे मेनस्ट्रीम कैटिगरी का टैग दे दिया है। मैंने जिस तरह के काम किए हैं, अगर आप उन्हें देखेंगे तो मैंने फाइंडिंग फैनी, संदीप और पिंकी फरार, लेडी किलर जैसी फिल्में भी की हैं। अर्जुन कपूर ने यह भी कहा कि लोग मीडिया और सोशल मीडिया पर कला को लेकर बातें करते हैं, लेकिन उन्हें इस बारे में काफी कम जानकारी होती है। अर्जुन ने कहा- उन लोगों को जिस क्राफ्ट या कला के बारे में जानकारी है वह क्लिकबेट है और यह काफी आसान क्राफ्ट है। अर्जुन ने कहा, जो लोग क्राफ्ट को लेकर डिस्कस करते हैं वास्तव में उन्हें खुद इसके बारे में कुछ पता नहीं होता। इसका मतलब केवल हर चीज के बारे में नेगेटिव बातें करना है। क्योंकि लॉजिक वाले सेंस के साथ दो लाइन लिखना मुश्किल है। एक जगह पर आकर क्रिटिक्स और बिजनस को अधिक अलाइन होने की जरूरत है।

घर से भाग गई थी शहनाज गिल

अपनी क्यूट और चंचल अदाओं के लिए फेमस शहनाज गिल एक बार फिर सुर्खियों में है। शहनाज जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली है। एक्ट्रेस इन दिनों काफी एक्टिव है। हाल ही में शहनाज ने एक इंटरव्यू में अपने पूराने दिनों की बातें की। एक्ट्रेस ने इस दौरान अपने स्ट्रगल के दिनों की बात की और बताया कि वो घर से भाग गई थी। शहनाज एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपना नाम बनाने के लिए घर से भाग गई थी। एक्ट्रेस ने अपने घरवालों से भी दूरी बना ली थी। आइए जानते है कैसा रहा शहनाज का इंडस्ट्री तक का सफर। शहनाज ने बताया कि उनका परिवार फिल्म इंडस्ट्री में शामिल होने के उसके फैसले का पूरी तरह से समर्थन नहीं कर रहा था, लेकिन उन्होंने उनकी चेतावनियों पर कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि भले ही वह अपने माता-पिता से प्यार करती है, लेकिन वह वास्तव में काम के बारे में उनकी राय नहीं सुनती है। शहनाज ने बताया कि, मेरे सपने मेरे अपने हैं, और मैं उन्हें साकार करने के लिए जो कुछ भी करना होगा वह करूंगी। यह पूछे जाने पर कि उन्हें किस हद तक जाना है, उन्होंने कहा, मैं घर से भाग गई। वे मेरा पता नहीं लगा सके। मैं तभी लौटा जब मैं मशहूर हो गई। शहनाज ने कहा कि यह तब हुआ जब वह 22 या 23 साल की थी। शहनाज ने आगे बताया कि, मैं लगभग 15000 रुपये कमा रही थी, एक पीजी में रहकर, मैं नियमित रूप से शूटिंग के लिए जाती थी। वे मुझे फोन करते रहते, लेकिन मैं अपने परिवार के फोन नंबरों को एक ब्लॉक लिस्ट में डाल देती, भले ही मैं अपनी दादी से बहुत जुड़ी हुई थी। मैं उनसे बात करने से पहले खुद को साबित करना चाहती थी।